lQy efgykvksa dh lQy dgkfu;ka

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 8 मार्च से 15 मार्च तक साप्ताहिक कार्यक्रमो का आयोजन जिला महिला सशक्तिकरण विभाग ने किया। एक सप्ताह चले इस आयोजन में जहां ग्रामिण एवं शहरी महिलाओं को विभिन्न अधिकार, कोर्ट कार्यवाही एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान भी किया गया। उन्हे प्रशस्ती पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किये गये।

उक्त आयोजन में परियोजना क्षेत्र की लगभग 100 माताओं ने सहभागिता की, वहीं परियोजना से जुड़ी 3 महिलाओं का भी उनके द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने पर सम्मान किया गया।

नाम– राधाबाई डाबर (माता)

vkjrh xCcq&LikWUlj cPph] pkbYM QaM bf.M;k izkstsDV esa] dsl ua- 371

ग्राम– मोहनपुर

उल्लेखनीय कार्य– आदिवासी अंचल में शिक्षा की जागरूकता की अभी भी ज्यों की त्यों बनी हुई है, उस पर बालिका शिक्षा तो बहुत दुर की बात है। उस मिथक को तोड़ा है राधाबाई ने। छः वर्ष पूर्व अचानक बिमारी के चलते पति का देहांत हो गया। एक बेटी आरती एवं दो बेटो की मॉ के पास 2 बिघा नाममात्र की जमीन थी। राधाबाई ने अपने होंसलो के दम पर ना सिर्फ खेती मजदूरी स्वयं की, वहीं अपनी पुत्री आरती के अध्ययन को जारी रखवाया, वर्तमान में पुत्री आरती 10वीं कक्षा में अध्ययन करने धार मुख्यालय आ रही है। वहीं दोनो पुत्रो को भी ग्राम में अध्ययन करवा रही है।

नाम–मिश्राबाई डाबर,

ग्राम–मोहनपुर

उल्लेखनीय कार्य– मॉ दुर्गा स्वयं सहायता समुह की अध्यक्षा है। ग्राम में कार्ड परियोजना के प्रयासो से मिराबाई ने अन्य महिलाओं को संगठीत किया एवं बचत समुह का गठन किया था। विगत पांच वर्षो से बिना किसी शासकीय मदद के समुह का सफल संचालन कर रही है। समुह में वर्तमान में बचत रू.2,00,000–00 है। समुह के अन्य सदस्य आपसी लेनदेन के माध्यम से अपनी जिविका उपार्जन के साधनो को बढ़ा रहे है। इनके बेहतर प्रयासो को सराहते हुवें जिला प्रशासन ने दिनांक 15/3/2016 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर इनका सम्मान कर, प्रशस्तीपत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

अमना जमरा –

उल्लेखनीय कार्य – ग्राम में कार्यरत संस्था की आंगनावड़ी में कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया। पति एवं देवर को शिक्षा अध्ययन के लिये प्रोत्साहित किया। वर्तमान में पति पुलिस विभाग एवं देवर आर्मी में अपनी सेवायें दे रहे हे। वर्तमान में शासकिय कार्यकर्ता के रूप में अपनी सेवायें उसी ग्राम में दे रही है एवं दूसरो को भी प्रेरणा दे रही है।